XXVI-A/260

तिलक महाविद्यालय

इण्टर कालेज

कोटवा, इलाहाबाद

रूद्र प्रताप सिंह
मंत्री

दिनांक ६-२-५१

आदरणीय प. पद्मकान्त जी,

सादर प्रणाम

मेरी प्रार्थना पर गत ४ फरवरी को श्री प. श्रीनिवास शर्मा को हमारे कालेज की वार्षिक Grant-in-Aid बढ़ाने के लिए आपने जो पत्र दिया था, उसे लेकर मैं उनसे मिला था।

श्री शर्मा जी ने ध्यानपूर्वक पत्र पढ़कर सहायता करने का आश्वासन भी दिया है। चूँकि उन्हें प्रदेश भर के स्कूलों का काम देखना पड़ता है, इसलिए मुझे आशंका है कि हमारे कालेज का काम उन्हें भूल न जाय।

अस्तु आपसे प्रार्थना है कि संभव हो तो शर्मा जी से मिलकर अथवा फोन करके उन्हें याद दिला दें और हमारे कालेज के अनुदान में ~~[illegible]~~ इतनी वृद्धि करदें कि "लोकमान्य तिलक" के नाम में खुला हुआ यह कालेज आर्थिक संकटों से थोड़ी मुक्ति अनुभव कर सके। आशा है यह काम आप अवश्य करेंगे क्योंकि ~~[illegible]~~ ~~साल~~ अनुदान-वितरण का समय बिलकुल निकट है।

सस्नेह भवदीय

रुद्रप्रताप सिंह (पा[illegible]

राष्ट्रीय अभिलेखागार भारत
National Archives of India